लेखक परिचय

महादेवी वर्मा (1907–1987)

हिंदी के महत्त्वपूर्ण काव्ययुग–छायावाद के कवि–चतुष्ट्य में से एक। प्रेम और करुणा से ओत–प्रोत काव्य गीतों एवं संस्मरणात्मक रेखाचित्रों के लिए बहुप्रशंसित। भारत सरकार द्वारा पद्मभूषण से सम्मानित। उन्हें ज्ञानपीठ पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया और वे साहित्य अकादमी की फैलो भी रहीं। प्रमुख कृतियाँ : *नीहार, रश्मि, नीरजा, यामा, दीपशिखा* (कविता संग्रह); *शृंखला की कड़ियाँ* (निबंध); *स्मृति की रेखाएँ, अतीत के चलचित्र* (संस्मरण)।

श्रीराम शर्मा (1896–1967)

प्रारंभ में अध्यापन कार्य करने के बाद लंबे समय तक स्वतंत्र रूप से राष्ट्र और साहित्य सेवा में जुटे रहे। 'विशाल भारत' के संपादक के रूप में विशेष ख्याति प्राप्त की। हिंदी में 'शिकार साहित्य' के अग्रणी लेखक माने गए। प्रमुख रचनाएँ : *शिकार, बोलती प्रतिमा* तथा *जंगल के जीव* (शिकार संबंधी पुस्तकें), *सेवाग्राम की डायरी* एवं *सन् बयालीस के संस्मरण* इत्यादि।

के. विक्रम सिंह (1938–2013)

अध्यापन कार्य से प्रारंभ कर सरकारी नौकरी में विभिन्न महकमों में उच्च पदों पर कार्यरत रहे। सूचना और प्रसारण मंत्रालय में निदेशक (फिल्म नीति) के पद पर

© NCERT not to be republished

कार्य करते हुए समय से पहले ही नौकरी को विदा कह अपनी विशेष दिलचस्पी के कारण सिनेमा और टेलिविज़न के क्षेत्र में सक्रिय हो गए।

विकास, पर्यावरण और देशाटन की ओर विशेष झुकाव रखने वाले के. विक्रम सिंह ने 'अंधी गली' (1984), 'न्यू डेल्ही टाइम्स' (1985) के निर्माण में सहयोग करने के साथ-साथ *तर्पण* (1994) का भी निर्माण किया। उन्होंने टेलिविज़न के लिए फिल्म *सृजन* (1994) का निर्देशन तथा *कवि और कविता* शृंखला का निर्माण एवं निर्देशन भी किया। साठ से अधिक वृत्तचित्र भी बनाए।

अनेक वृत्तचित्र राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोहों में प्रदर्शित हुए। फिल्म कार्य के साथ-साथ जीवन, समाज और कलाओं से संबंधित विषयों पर जनसत्ता में नियमित रूप से स्तम्भ लेखन किया।

धर्मवीर भारती (1926-1997)

बहुचर्चित लेखक एवं संपादक। कई पत्रिकाओं से जुड़े पर अंत में 'धर्मयुग' के संपादक के रूप में गंभीर पत्रकारिता का एक मानक निर्धारित किया। बहुमुखी प्रतिभा के धनी धर्मवीर भारती की लेखनी ने कविता, कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध, आलोचना, अनुवाद, रिपोर्ताज आदि अनेक विधाओं द्वारा हिंदी साहित्य को समृद्ध किया। उनकी प्रसिद्ध रचनाएँ हैं : *साँस की कलम से, मेरी वाणी गैरिक वसना, कनुप्रिया, सात गीत-वर्ष, ठंडा लोहा, सपना अभी भी, सूरज का सातवाँ घोड़ा, बंद गली का आखिरी मकान, पश्यंती, कहनी अनकहनी, शब्दिता, अंधा युग, मानव-मूल्य और साहित्य* तथा *गुनाहों का देवता।*

धर्मवीर भारती पद्मश्री की उपाधि के साथ ही व्यास सम्मान एवं अन्य कई राष्ट्रीय पुरस्कारों से अलंकृत हुए।

© NCERT not to be republished

टिप्पणी

© NCERT
not to be republished

टिप्पणी

© NCERT not to be republished